

2.5.18

पत्रावली ३१५ वॉच कोट नरिस में पेश हुई।  
 पत्रावली का सम्बन्धों का अनुभव किया गया।  
 प्रतिवादी १। अथ नरिस के प्रति २००-१०२ में  
 अर्द्ध मय के सिद्धी स्वगत कर रहा है विमान  
 का २० वादी को स्वार्थ प्रति व अपने विहित  
 मन्त्रों को स्वगत उपलब्ध हो गया है। ये मन्त्र प्रति  
 में प्रतिवादी १। को प्रत्यक्ष किया जाता है कि  
 वर स्वगत वार्धन प्रति को वर स्वगत प्रेषण  
 करे तथा प्रति में अर्द्ध स्वगत अर्द्धी करे।  
 वर स्वगत वार्धन प्रति वादी पत्रावली के स्वगत  
 प्रेषण प्रेषण वर वर के वर वर वर वर वर वर  
 प्रेषण प्रेषण प्रेषण

  
 प्रेषण प्रेषण प्रेषण  
 प्रेषण प्रेषण प्रेषण